I–TERM EXAMINATION : 2021-22

CLASS - XII (ISC)

Time : 3 hrs. **HINDI** M.M.: 80

* Candidates are allowed additional 15 minutes for ONLY reading the paper.
* They must not start writing during this time.
* Answer questions 1, 2 and 3 in Section-A and Four other questions from Section -B on at least three of the prescribed textbooks.
* If you answer two questions on anyone book, do not base them both on the same material.
* The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

## SECTION 'A' [40 MARKS]
## LANGUAGE

Q.1. Write a composition in Hindi in approximately 400 words on anyone of the topics given below: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में हिन्दी में निबन्ध लिखिए–

i) भ्रष्टाचार से कमाया गया धन कभी मानसिक शान्ति नहीं दे सकता।
ii) विकास का एकमात्र सूत्रः अनुशासित जीवन।
iii) 'योग साधना अनेक रोगों का निदान है।' –स्पष्ट कीजिए।
iv) आरक्षण की समस्या कई अन्य समस्याओं को जन्म देती है।–विवेचना कीजिए।
v) 'स्वच्छता अभियान का आरंभ हमारे अपने घर से होता है।'–कथन को सिद्ध कीजिए।
vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए–
   a) ईश्वर सबको रोटी देता है . . . . b) अक्ल बड़ी कि भैंस . . . . .

Q.2. Read the passage given below carefully and answer in Hindi the questions that follow using your own words :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर, अंत में दिये गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में हिन्दी में लिखिए–

सुकर्मा नामक एक व्यक्ति एक गाँव में रहता था। वह सत्यवादी था, धर्मात्मा था, परोपकारी था और दयालु था। उसे सदैव इस बात की चिन्ता रहती थी कि किसी तरह से वह गाँव की आर्थिक स्थिति को सुधारने, धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ाने तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में अपना अधिकतम सक्रिय योगदान दे सके। इसी को अपना लक्ष्य बनाकर यह सर्व जन–हित में लगा रहता था।

परन्तु उसी गाँव का भीखमसिंह उसके मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन रहा था। वह व्यक्ति अत्यधिक क्रूरकर्मा और निपट स्वार्थी था। इसी के त्रास से विवश ग्रामीण चाहते हुए भी सुकर्मा की योजनाओं में पूरी तरह भाग नहीं ले सकते थे। अतः होने वाले लाभ से वंचित रहते थे। इसलिए सभी गाँववासी और सुकर्मा भी निरन्तर दुःखी रहते थे।

एक दिन इसी समस्या के समाधान की खोज में चिन्ताग्रस्त सुकर्मा अन्यमनस्क–सा चला जा रहा था कि मार्ग में सामने से आते हुए साधु ने उसे रोककर उसकी इस दशा का कारण पूछा। सुकर्मा ने दुःखी मन से सारी समस्या सविस्तार उनको बता दी और करबद्ध प्रार्थना की कि उसे उचित मार्गदर्शन दिया जाए। साधु ने कहा–इसका अर्थ यह हुआ कि भीखमसिंह तुम्हारे मन में बस गया है। वह तुम्हारे अन्तर में बैठा तुम्हारे सारे चिन्तन–मनन को आच्छादित किए हुए है और तुम अपने सुपथ से धीरे–धीरे किन्तु निश्चित रूप से विमुख होते जा रहे हो। तुम्हारा सारा जीवन–व्यापार अब उसी से संस्कारित है और तुम परोक्ष रूप से पर–हित नहीं पर–अहित कर रहे हो। तुम्हारी समग्र योजनाओं की प्रेरणा उसका विरोध–मात्र ही नहीं, विनाश भी है।

मन की गति अति विचित्र है। इसे समझने का प्रयास करो। मैं तुम्हारा ध्यान मन की दो विशेषताओं की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। प्रथम–मन अत्यन्त चंचल है, तीव्र गति वाला है, सदैव अस्थिर रहता है। दूसरे–मन एक समय में एक ही विषय पर सोच सकता है वह कभी एक ही समय में एक साथ दो विषयों पर मनन नहीं कर सकता। अतः यदि तुम बुराई की सोच रहे हो तो भलाई की नहीं सोच सकते और यदि तुम भलाई की सोच रहे हो तो बुराई की नहीं सोच सकते।

तुम हमेशा बुराई की सोच रहे तो अंततः बुराई की ओर जा रहे हो। तुम्हारा पतन हो रहा है और क्रमशः पथभ्रष्ट हो रहे हो। भीखमसिंह को सुधारने की, उसे रास्ते से हटाने की चिन्ता न करो। अपने सुकर्मो को अप्रभावित रूप से करते जाओ। याद रखो, किसी पथभ्रष्ट को सीधे रास्ते पर लाने का सशक्त उपाय है– अपना आचरण, न कि उपदेश। तुम अपने आचरण की शुद्धता और कर्त्तव्यपरायणता द्वारा उसे अवश्य ही सत्मार्ग पर ले जाओगे।

i) सुकर्मा कौन था और वह सदैव किस चिन्ता में रहता था ? [3]
ii) साधु ने सुकर्मा को क्या समझाया ? [3]
iii) मन की कौन–सी दो विशेषताएँ बताई गई हैं ? स्पष्ट कीजिए। [3]
iv) साधु ने किन युक्तियों से समझाया कि सुकर्मा पतन की ओर जा रहा है ? [3]
v) साधु ने अंत में क्या उपदेश दिया ? [3]

Q.3. a) Correct the following sentences and rewrite: [5]
निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–
i) चिड़ियाँ बाग में मीठा बोलती हैं।
ii) धनमान व्यक्तियों को उदार होना चाहिए।
iii) प्रसाद जी के पिता पुराने तम्बाकू के व्यापारी थे।
iv) शहीदों का देश हार्दिक कृतज्ञ है।
v) राधा, सीता और रमा बाजार गए।

b) Use the following idioms in your sentences : [5]
निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–
i) बाग–बाग होना। ii) तीन–तेरह करना।
iii) लोहे के चने चबाना। iv) कान का कच्चा होना।
v) आँखों में खटकना।

## SECTION 'B' [40 Marks]

Answer four questions from this section on atleast three of the prescribed text books.

### गद्य संकलन

Q.4. ''खबरदार, जो उसे छुआ। नीचे उतरो, नही तो तुम्हारा सिर चूर किए देता हूँ। वह मेरी शरण आया था।''
i) कहानी और कहानीकार का नाम लिखिए। [1]
ii) वक्ता का परिचय दीजिए। [2]
iii) वक्ता की शरण में कौन आया था और क्यों ? [2]
iv) कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [5]

Q.5. 'भक्तिन' शीर्षक रेखाचित्र में सामाजिक मानदंडों के नाम पर किन–किन कुप्रथाओं की चर्चा हुई है ? [10]

Q.6. 'क्या निराश हुआ जाए' शीर्षक निबन्ध में जीवन–मूल्यों के प्रति आस्था प्रकट की गई है। इस कथन की समीक्षा कीजिए। [10]

### काव्य मंजरी

Q.7. ''माँ है वह! इसी से हम बने हैं,
किन्तु हम हैं द्वीप! हम धारा नहीं हैं,
स्थिर समर्पण है हमारा, हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के।''
i) कवि का नाम लिखकर बताइये कि कवि किस काल की किस धारा के कवि हैं ? [1]
ii) किसे माँ कहा जा रहा है और क्यों ? [2]
iii) द्वीप की विशेषता क्या है ? [2]
iv) कविता का मूल संदेश लिखिए। [5]

Q.8. 'उद्यमी नर' शीर्षक कविता में कवि ने भाग्यवाद को शोषण का आधार क्यों बताया है ? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए। [10]

Q.9. सूरदास ने कृष्ण की बाल–लीलाओं का सुंदर चित्रण किया है। पाठ्यक्रम में संकलित पदों के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए। [10]

### सारा आकाश

Q.10. ''लेकिन रमा, कल्पनाएँ ही सच हो जाया करतीं तो फिर कहना ही क्या है? हमारी हर हँसी पर भाग्य दाँत पीसता है। हम रोते हैं तो वह खिलखिलाता है।''
i) रमा का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [1]
ii) 'हमारी हर हँसी पर भाग्य दाँत पीसता है।' प्रभा ने ऐसा क्यों कहा? [2]
iii) रमा और प्रभा की मित्रता का वर्णन कीजिए। [2]
iv) यहाँ किन कल्पनाओं की बात हो रही है ? [5]

Q.11. मुन्नी के पति के आने पर घर में क्या हलचल मच गई? बाबूजी की घर वालों से क्या बातें हुईं और क्या निर्णय लिया गया ? [10]

Q.12. 'सारा आकाश' उपन्यास के कथानायक समर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। [10]

#####